कलेक्टर ने दिए हर मंगलवार और शुक्रवार को निरीक्षण के निर्देश

स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग संयुक्त भ्रमण कर दूर करें कमियां

जबलपुर। स्वास्थ्य सेवाओं और महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं में सुधार के लिए दोनों विभागों के अधिकारी संयुक्त रूप से क्षेत्रीय भ्रमण करेंगे। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को संयुक्त निरीक्षण कर कमियों की पहचान करने और उन्हें दूर करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को कार्यों में आ रही कठिनाइयों का समाधान करने और 15 दिन बाद होने वाली अगली समीक्षा बैठक से पहले सुधार सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन बढ़ाने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए प्रसव के दौरान होने वाली मौतों के कारणों की समीक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर उपयोग करने को कहा। टीकाकरण से छूटे बच्चों की पहचान कर उन्हें टीके लगाने तथा पोषण पुनर्वास केंद्रों में बच्चों की भर्ती बढ़ाने के निर्देश भी दिए। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों व उनके परिजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने को कहा गया।



आंगनवाड़ी सेवाओं और निर्माण कार्यों की होगी निगरानी

बैठक में बताया गया कि लगभग 60 प्रतिशत बच्चों की अपार आईडी और 90 प्रतिशत आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। कलेक्टर ने शेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण, कुपोषित बच्चों की पहचान, पोषण ट्रैकर ऐप पर समय पर जानकारी दर्ज करने और टेक होम राशन वितरण की निगरानी पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के साथ आंगनवाड़ी भवनों, शौचालयों और जनमन योजना के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने को भी कहा गया।

50 दिन से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने राजस्व अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राजस्व प्रकरणों और शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, रविशंकर राय, शैलेंद्र सिंह सहित सभी एसडीएम मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की भी नियमित समीक्षा की जाए और उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मझौली की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन का कार्य अगले एक-दो दिन और जारी रहेगा। ऐसे में सभी एसडीएम विसर्जन व्यवस्था की सतर्कता से निगरानी करें। बैठक के बाद कलेक्टर विश्वकर्मा ने कलेक्ट्रेट पहुंचे नागरिकों से सीधे मुलाकात की। उन्होंने एक-एक व्यक्ति की समस्या सुनते हुए उनके निराकरण का आश्वासन दिया।

मूर्ति विसर्जन के रास्ते को लेकर विवाद

जबलपुर। मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर कुंडा कला में मूर्ति विसर्जन के दौरान रास्ते को लेकर विवाद हो गया। पहली बार माता की मूर्ति स्थापित करने वाले सिलावट समाज की झांकी को आगे बढ़ने से रोकने का आरोप लगा। इसके चलते झांकी करीब पांच घंटे तक सड़क पर खड़ी रही। विवाद के बाद सिलावट और राजपूत समाज के लोग आमने-सामने आ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सिलावट समाज के लोगों का आरोप है कि विसर्जन के लिए ले जाई जा रही झांकी का रास्ते में विरोध किया गया और उसे आगे नहीं बढ़ने दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति संभालने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी में विवाद सुलझाने और विसर्जन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कोशिश की गई। विवाद के कारण को लेकर एसडीपीओ ने अलग जानकारी दी है। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। पुलिस दोनों पक्षों और घटनास्थल पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी के आधार पर विवाद की वास्तविक वजह का पता लगा रही है। करीब पांच घंटे बाद स्थिति सामान्य होने पर विसर्जन की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी।

7 एएसपी के बीच किया गया कार्य विभाजन

जबलपुर। शहर और जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने सात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के बीच अतिरिक्त प्रभार का कार्यविभाजन किया है। नई व्यवस्था के तहत अधिकारियों को अलग-अलग संभागों के साथ कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, यातायात और महिला सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई व्यवस्था के अनुसार, एएसपी आयुष जाखड़ को कोतवाली, ओमती, गोहलपुर और माढ़ोताल संभाग का प्रभार दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें कानून व्यवस्था, जिला विशेष शाखा, कंट्रोल रूम और प्रोटोकॉल की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। एएसपी पल्लवी शुक्ला को गोरखपुर और गढ़ा संभाग के साथ अजाक का प्रभार दिया गया है। उन्हें वेलफेयर शाखा की प्रभारी जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।एएसपी मनीष भारद्वाज बरगी, रांझी, कैंट और अधारताल संभाग का कार्य देखेंगे। इसके अलावा उन्हें सीसीटीएनएस का नोडल अधिकारी बनाया गया है।एएसपी अनु बेनिवाल को सिहोरा और पाटन संभाग के साथ ग्रामीण क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। उनके कार्यक्षेत्र में महिला सुरक्षा शाखा, पॉक्सो एक्ट, ऊर्जा एवं हेल्थ डेस्क के नोडल अधिकारी का दायित्व भी शामिल रहेगा।एएसपी अंजना तिवारी को उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, प्रशिक्षण, शिकायत शाखा, सीएम हेल्पलाइन और आर्म्स शाखा का प्रभार सौंपा गया है।इसी क्रम में एएसपी जितेंद्र सिंह को उप पुलिस अधीक्षक क्राइम-1 एवं क्राइम-2 के साथ साइबर अपराध, संपत्ति संबंधी अपराध, अपराध थाना और डीसीपी से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है।वहीं, एएसपी अखिलेश तिवारी को डीएसपी यातायात का प्रभार सौंपा गया है। उनके जिम्मे यातायात के चारों थानों के साथ सड़क सुरक्षा से जुड़े समस्त कार्य रहेंगे।पुलिस विभाग में किए गए इस कार्यविभाजन का उद्देश्य विभिन्न शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा से जुड़े कार्यों को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना है।

सुबह 6:30 बजे निरीक्षण, सफाई के लिए रेड, येलो और ग्रीन जोन बनाने के निर्देश

निगमायुक्त अग्रिम कुमार का सफाई व्यवस्था पर सख्त रुख

जबलपुर। नगर निगम के नवनियुक्त निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने पदभार ग्रहण करने के दूसरे दिन सुबह 6:30 बजे मैदानी निरीक्षण कर सफाई, पेयजल और सीवेज व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने रानीताल, सर्वोदय नगर, आगा चौक, गढ़ा फाटक, पोली पाथर और ललपुर स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए रेड, येलो और ग्रीन जोन बनाने के निर्देश दिए। गढ़ा फाटक में पानी के लीकेज में देरी पर संबंधित उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सफाई मित्रों को शत-प्रतिशत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और शासन निर्धारित मानदेय सीधे बैंक खातों में भेजना सुनिश्चित करने को कहा। सीवेज समस्याओं की निगरानी और समयबद्ध निराकरण के लिए जीपीएस आधारित वॉश ऑन व्हील्स की तर्ज पर मोबाइल एप विकसित किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल प्रदाय की टीमें संयुक्त निरीक्षण करेंगी।निरीक्षण में अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची और स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा सहित निगम का अमला मौजूद रहा। निगमायुक्त ने लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।



अग्निदग्धा की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत ग्राम नगना पौड़ी में आग से जलने के कारण एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात लगभग 9 बजे आग से जलने के कारण ग्राम नगना पौड़ी माढ़ोताल निवासी 47 वर्षीय श्रीमति दिव्या महेरे पति दिनेश महेरे द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान गुरुवार की सुबह लगभग 5 बजे श्रीमति दिव्या महेरे की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले नगर निगम स्कूलों के विद्यार्थी आज भरेंगे हवाई उड़ान

महापौर गुरुकुल का कमाल, 5 से बढ़कर 25 हुए मेधावी विद्यार्थी

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' की पहल से नगर निगम स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। वर्ष 2022 में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले पांच विद्यार्थियों की संख्या इस वर्ष बढ़कर 25 हो गई है। इन विद्यार्थियों को शुक्रवार को डुमना एयरपोर्ट से हवाई यात्रा के जरिए इंदौर रवाना किया जाएगा। उनके साथ पांच शिक्षक भी जाएंगे। महापौर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इंदौर में विद्यार्थियों के ठहरने की व्यवस्था फाइव स्टार होटल में की गई है। भ्रमण के दौरान वे ऐतिहासिक, आध्यात्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित होंगे। वर्ष 2022 में शुरू महापौर गुरुकुल के तहत नगर निगम के पांच स्कूलों के करीब 2000 विद्यार्थियों को मैकलसुता इंस्टीट्यूट के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग, खेलकूद, संगीत, नृत्य और प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। स्कूलों में स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब की सुविधा भी है। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, रजनी कैलाश साहू, अंशुल राघवेंद्र यादव, अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त शिवांगी महाजन और प्रभारी शिक्षा अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय सहित शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।





जबलपुर में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री पर रोक की मांग, सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। शहर में फर्जी ग्रीन पटाखों, प्रतिबंधित चाइनीज पटाखों और आसमान में उड़ने वाले लालटेन पटाखों की कथित रूप से धड़ल्ले से बिक्री एवं उपयोग पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस संबंध में जनसंगठनों ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से चर्चा कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पटाखों की जांच, ध्वनि परीक्षण और विक्रेताओं से आवश्यक अंडरटेकिंग लेने की प्रक्रिया नहीं अपनाई जा रही है। संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का हवाला देते हुए प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने आश्वासन दिया कि न्यायालयों के आदेशों का पालन कराया जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, सुभाष चन्द्रा, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, अशोक यादव, यशवंत कोष्टा, जी.एस. सोनकर और राममिलन शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नर्मदा महोत्सव में फोटोग्राफी प्रतियोगिता, 24 अक्टूबर तक जमा करें फोटो

भेड़ाघाट के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों की तस्वीरों को मिलेगा मंच

जबलपुर। नर्मदा महोत्सव 2026 के तहत माँ नर्मदा और भेड़ाघाट की प्राकृतिक सुंदरता को तस्वीरों के माध्यम से सामने लाने के लिए फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जिला प्रशासन, पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा नगर परिषद भेड़ाघाट के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता में इच्छुक फोटोग्राफर और नागरिक भाग ले सकते हैं।प्रतियोगिता में लम्हेटाघाट, धुआंधार जलप्रपात और बंदरकुदनी सहित भेड़ाघाट क्षेत्र के अन्य प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थलों की तस्वीरें शामिल की जा सकती हैं। प्रतिभागियों को अपने फोटोग्राफ 24 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक नगर परिषद कार्यालय, भेड़ाघाट में विजय कुमार कोरी के पास जमा करने होंगे।

तीन विजेताओं को मिलेगा सम्मान

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के नाम 24 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। विजेताओं को नर्मदा महोत्सव के दौरान प्रमाण-पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता की जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8319680996 पर संपर्क किया जा सकता है।



जबलपुर में जुटेंगे 300 से अधिक त्वचा रोग विशेषज्ञ

23 से 25 अक्टूबर तक होगी राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस

जबलपुर। त्वचा रोग विशेषज्ञों की 31वीं राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस 23 से 25 अक्टूबर 2026 तक जबलपुर में आयोजित होगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजीव सक्सेना के अनुसार कॉन्फ्रेंस में 300 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई सहित विभिन्न शहरों के विशेषज्ञ भी व्याख्यान देंगे। वैज्ञानिक सत्रों में 30 से 35 व्याख्यान तथा 20 से 25 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजन सचिव डॉ. सचिन लूथरा ने बताया कि 23 अक्टूबर को सुखसागर मेडिकल कॉलेज में प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला होगी। इसमें हेयर ट्रांसप्लांट सर्जरी, बोटॉक्स, फिलर्स और रिजनरेटिव मेडिसिन की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। 24 और 25 अक्टूबर को होटल हिल्टन गार्डन इन में वैज्ञानिक सत्र होंगे। इनमें सफेद दाग, सोरायसिस, एक्जिमा और पेम्फिगस वल्गेरिस के नवीनतम उपचारों पर चर्चा होगी। कॉन्फ्रेंस में मुंबई से डॉ. राजेश कुमार, डॉ. रिचा शर्मा, दिल्ली से डॉ. ऋषि पाराशर, डॉ. अमेन्द्र कुमार, बेंगलुरु से डॉ. रघुनाथ रेड्डी, डॉ. मयूर शेठ्ठी, उदयपुर से ब्रिगेडियर डॉ. संजीव वैशम्पायन और नासिक से डॉ. योगेश झवर व्याख्यान देंगे। वैज्ञानिक सत्रों के चेयरपर्सन प्रो. उषा गुप्ता, डॉ. ब्रजेश अग्रवाल, डॉ. सुनीत दुबे, डॉ. निहित अग्रवाल और डॉ. हितेश लोकवानी भी आयोजन में शामिल होंगे।

एमपी ट्रांसको को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान



वेस्टर्न रीजन में 2.60% ट्रांसमिशन लॉस के साथ बनाया कीर्तिमान

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम 2.60 प्रतिशत ट्रांसमिशन लॉस दर्ज करने पर लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए इसे तकनीकी दक्षता, नवाचार और सुदृढ़ विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि न्यूनतम ट्रांसमिशन लॉस के साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।एमपी ट्रांसको की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरसी शर्मा एवं वसंत कर्नाड ने पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत पॉसोको (वर्तमान में ग्रिड-इंडिया) के पूर्व एवं संस्थापक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसके सूनी ने प्रदान किया। पावर सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका पावर लाइन द्वारा स्थापित यह पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन करने वाली विद्युत कंपनियों को प्रोत्साहित करता है। वेस्टर्न रीजन में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, गोवा तथा दमन एवं दीव और दादरा एवं नगर हवेली शामिल हैं।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 15722807F RANK SIGMN NAME PRADEEP MISHRA S/O GOVIND DAS MISHRA of unit MB AREA SIG COY, JABALPUR (MP) AADHAR CARD NO. 6211 3465 4366 I, have changed name and date of birth of my **FATHER** from name **GOVIND MISHRA** and date of birth **12/07/1952** (Name and date of birth as per my Army Service Records) to change name **GOVIND DAS MISHRA** and date of birth **01/01/1952** (name and date of birth as per my **FATHER, AADHAR CARD No. 4575 1070 6316)** vide affidavit dated **22/10/2026** formerly before Public Notary Jabalpur M.P.

CORRECT NAME
GOVIND DAS MISHRA
INCORRECT NAME
GOVIND MISHRA
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1952
INCORRECT DATE OF BIRTH
12/07/1952

जेडीए कराएगा 324 करोड़ के विकास कार्य, 31 अक्टूबर से प्रॉपर्टी मेला

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) शहर में 324 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराएगा। साथ ही 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को दो दिवसीय प्रॉपर्टी मेले का आयोजन किया जाएगा। ये निर्णय जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में आयोजित संचालक मंडल की बैठक में लिए गए। योजना क्रमांक 64 एवं 65 के लिए 312.80 करोड़ रुपये तथा योजना क्रमांक 31 के लिए 11.26 करोड़ रुपये की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इन योजनाओं में सड़क निर्माण, सीवरेज, जल प्रदाय, बाउंड्रीवॉल, ड्रेनेज और पुलिया निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। प्रॉपर्टी मेले में जेडीए की विभिन्न संपत्तियों के क्रय-विक्रय का अवसर मिलेगा। इसके लिए ऑनलाइन विज्ञापन जारी कर दिए गए हैं। समाचार पत्रों सहित अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। बैठक में उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सचिव विवेक के.वी., जयवर्धन राय, एस.के. गिरिया, डी.के. मुशरकर और निर्मल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अध्यक्ष संदीप जैन ने कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पूर्व बैठक के निर्णय के अनुसार सिविक सेंटर के सुव्यवस्थीकरण का कार्य शुरू हो चुका है।



कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर
पत्र क्र./बा.वि./2026/133 दिनांक- 14/10/2026
दुकान नामान्तरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विवेक कुशवाहा पिता श्री राजाराम कुशवाहा द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं विक्रय पंजीयन पत्र के आधार पर निगम स्वामित्व की गुलौआ तालाब मार्केट दुकान क्रमांक 04 में नया अनुज्ञप्तिधारी के रूप पर नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त नामांतरण/ हस्तांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में कार्यालय बाजार अधीक्षक, कमरा नं. 57, नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।
बाजार अधीक्षक
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/2026-27/176
दिनांक :- 22/10/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रूपाली पिल्लई पति शेखर पिल्लई ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के मकान नं. 976/बी-1 जी.एफ. अमन अपार्टमेंट समपत्ति के पिन क्रमांक 1000400737 भूतल 840 वर्गफुट विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमति कृष्णा लालवानी पिता/पति निशांत लालवानी का नाम का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/158/2026-27
दिनांक :- 08/10/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहन लाल द्विवेदी पिता श्री राम सिया द्विवेदी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई ड्यूप्लेक्स नं. डी-15 एकता मार्केट के पीछे समपत्ति के पिन क्रमांक 1000384023 भूमि का क्षेत्रफल 800 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 400 वर्गफुट प्रथम तल 400 वर्गफुट विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमति अंकित बबेले पिता/पति सुदामा प्रसाद का नाम का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं. /स. क्रं.11/172/2026-27
दिनांक :- 08/10/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुं. संगीता रोहरा पिता स्व. मेवल दास रोहरा ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई प्लाट नं. डी-46 आशियना ग्रीन कजरवारा समपत्ति के पिन क्रमांक 1004320969 भूमि का क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 900 वर्गफुट प्रथम तल 900 वर्गफुट द्वितीय तल 400 वर्गफुट विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमति मंजू त्रिवेदी पिता/पति सुरेन्द्र कुमार त्रिवेदी का नाम का नाम हटाये जाने एवं आवेदक का नाम परिवर्तन किये जाने जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11,
नगर निगम, जबलपुर

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।



तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

श्रीजी पैलेस होटल मारपीट कांड में दो आरोपी गिरफ्तार, 12 बोर का कट्टा-कारतूस बरामद

थाना से घटनास्थल तक कराई पुलिस परेड, 7 लाख की कार सहित मोबाइल जब्त

अमानगंज। श्रीजी पैलेस होटल में कमरा किराये पर लेने, रुपये और रजिस्टर में एंट्री को लेकर हुए विवाद में होटल संचालक एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पन्ना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12 बोर का एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन और करीब सात लाख रुपये कीमत की मारुति स्विफ्ट कार जब्त की गई है। पुलिस ने 20 अक्टूबर 2026 को दोनों आरोपियों को थाना अमानगंज से घटनास्थल श्रीजी पैलेस होटल तक पैदल ले जाकर पुलिस परेड कराई। मामले में पुलिस की कार्रवाई और थाना प्रभारी निरीक्षक हेमंत नायक की कार्यशैली क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को थाना अमानगंज में पदस्थ प्रधान आरक्षक शिवम शर्मा थाना प्रभारी निरीक्षक हेमंत नायक के निर्देश पर विवेचना एवं अन्य शासकीय कार्य के लिए सहायक उपनिरीक्षक प्रीतम सिंह और आरक्षक क्रमांक 681 अंगराज पटेल के साथ निजी वाहन से पन्ना की ओर रवाना हुए थे। रास्ते में मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की मारुति स्विफ्ट कार में दो व्यक्ति अवैध हथियार लेकर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं।पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना से हमराही स्टाफ को अवगत कराया और सूचना संबंधी पंचनामा तैयार किया। इसके बाद मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान की ओर रवाना हुई। रास्ते में राहगीर सिब्बू राजपूत, निवासी बम्हौरी को गवाह के रूप में साथ लिया गया। पुलिस टीम मकरदगंज मोड़ पर पहुंची, जहां सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट लगी मारुति स्विफ्ट कार दिखाई दी। पुलिस द्वारा वाहन रोकने का प्रयास करने पर कार सवार वाहन लेकर मकरदगंज गांव की ओर भागने लगे। कुछ दूरी पर उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।



कार से मिला 12 बोर का देशी कट्टा, बैरल में फंसा था कारतूस

पकड़े गए व्यक्तियों ने अपने नाम विक्की बुंदेला उर्फ नरेंद्र सिंह, पिता स्वर्गीय बिंध्यराज सिंह, उम्र 24 वर्ष, निवासी ककरा तथा विक्की राजा बुंदेला, पिता मुलायम सिंह बुंदेला, उम्र 20 वर्ष, निवासी पवई्या, अमानगंज बताए। पूछताछ में विक्की राजा बुंदेला ने कार को अपना बताया। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की पीछे की सीट के नीचे, कंडक्टर साइड की ओर से एक 12 बोर का एक नली वाला देशी कट्टा बरामद हुआ। कट्टे के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ठछै) की धारा 94 के तहत नोटिस दिया गया, लेकिन आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। कट्टे को सावधानीपूर्वक खोलकर देखने पर उसकी बैरल में एक कारतूस फंसा मिला। इसके बाद विक्की राजा बुंदेला की जामा तलाशी लेने पर उसकी पैंट की बाईं जेब से एक नीले रंग का जिंदा 12 बोर का कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का यह कृत्य आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत दंडनीय पाए जाने पर पृथक अपराध पंजीबद्ध किया गया,सात लाख की कार और दो मोबाइल फोन जब्त पुलिस ने कार्रवाई के दौरान निम्नलिखित सामान जब्त किया,मारुति स्विफ्ट काररू अनुमानित कीमत 7,00,000 कार में मौके पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी, जबकि डिक्की में डच 2ऱ्1 ज्ञ 7341 नंबर की प्लेट रखी मिली।वाहन चेसिस नंबररू ड।ऱ3थ्थ्क्रैज्ञज्ळ520800 वाहन इंजन नंबररूं 12।थ्415072 एक 12 बोर का देशी कट्टा, बैरल में एक कारतूस फंसा हुआ। दो 12 बोर के कारतूसरू एक कट्टे की बैरल में फंसा और दूसरा आरोपी की जेब से बरामद।एक एमआई कंपनी का मोबाइल फोनरू अनुमानित कीमत 5,000। एक रियलमी कंपनी का मोबाइल फोनरू अनुमानित कीमत 5,000। एमआई मोबाइल में 1 862261072338628 और 2 862261072338636 दर्ज हैं। इसमें जियो कंपनी की सिम क्रमांक 8815019813 लगी थी। वहीं, रियलमी मोबाइल में 1 866389080504954 और -2 866389080504947 दर्ज हैं। इसमें सिम क्रमांक 9243645785 लगी थी। पुलिस ने जब्ती की कार्रवाई 20 अक्टूबर 2026 को रात 12रू45 बजे गवाहों की मौजूदगी में विधिवत पूरी कर जब्त सामान सीलबंद किया। वाहन को सुरक्षा के लिए थाना परिसर में खड़ा कराया गया तथा जब्त सामग्री मालखाने में जमा की गई।

रात में हुई गिरफ्तारी, चोट लगने पर कराया मेडिकल

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, विक्की राजा बुंदेला को 20 अक्टूबर की रात 1रू20 बजे और विक्की बुंदेला उर्फ नरेंद्र सिंह को रात 1रू30 बजे गिरफ्तारी का कारण बताते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ठछै) की धारा 47 के तहत नोटिस तामील कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को मोबाइल फोन के माध्यम से दी गई। भागने के दौरान गिरने से दोनों आरोपियों ने पैरों में दर्द एवं चोट की शिकायत की। इसके बाद पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज ले गई, जहां उनका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया।

होटल में मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में भी कार्रवाई

गौरतलब है कि श्रीजी पैलेस होटल में 8 अक्टूबर 2026 की रात कमरा किराये पर लेने, रुपये और रजिस्टर में एंट्री को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान होटल संचालक एवं कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी दोबारा होटल पहुंचे और डंडों से लैपटॉप, एलसीडी टीवी, कूलर, कुर्सियों सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ की। बीच-बचाव करने पहुंचे होटल संचालक, कर्मचारियों और उनके पुत्र के साथ भी मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। इस मामले में थाना अमानगंज में अपराध क्रमांक 620/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धाराओं 115(2), 296(बी), 351(3), 324(6), 119(1), 331(6) एवं 3(5) में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। अवैध हथियार बरामदगी के मामले में आर्म्स एक्ट की धाराओं 25 एवं 27 के तहत पृथक कार्रवाई की गई है।

थाना प्रभारी हेमंत नायक की कार्यशैली चर्चा में

20 अक्टूबर को पुलिस ने दोनों आरोपियों को थाना अमानगंज से घटनास्थल श्रीजी पैलेस होटल तक पैदल ले जाकर पुलिस परेड कराई। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर अमानगंज सहित आसपास के क्षेत्रों में चर्चा है। होटल में मारपीट और तोड़फोड़ के आरोपों के बाद गिरफ्तारी तथा अवैध हथियार बरामदगी की कार्रवाई से कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता सामने आई है। थाना प्रभारी निरीक्षक हेमंत नायक की कार्यशैली को लेकर क्षेत्र में चर्चा हो रही है। जहां पुलिस की सख्ती से कानून का भय कायम होने की उम्मीद जताई जा रही है, वहीं आमजन में अमन-चौन और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने की अपेक्षा भी बढ़ी है। पुलिस की आगे की कार्रवाईरू प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मामले में एक आरोपी को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है और प्रकरण में विवेचना जारी है।

सराहनीय योगदान- थाना प्रभारी अमानगंज निरीक्षक हेमंत नायक, सहायक उपनिरीक्षक प्रीतम सिंह, प्रधान आरक्षक शिवम शर्मा, बृजेश, अनिल गर्ग, आरक्षक मेहरबान, मुनेन्द्र तथा साइबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

अमरकंटक में मारपीट की दो घटनाएं

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में 21 अक्टूबर 2026 को मारपीट की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। पहली घटना नर्मदा मंदिर के समीप नारियल-प्रसाद की दुकान के सामने चंदन-टीका लगाने को लेकर हुए विवाद से संबंधित है। वहीं दूसरी घटना दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति कुटी के सामने नाच-गाने के बीच धक्का देने की बात को लेकर हुई। दोनों मामलों में फरियादियों की शिकायत पर अमरकंटक पुलिस ने अलग-अलग अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर को नर्मदा मंदिर के समीप नारियल-प्रसाद की दुकान संचालित करने वाले शेषनारायण चंद्रवंशी की दुकान के सामने चंदन-टीका लगाने की बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान फरियादी संतोष प्रसाद, पिता छोटा चंद्रवंशी, के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद संतोष प्रसाद ने अमरकंटक पुलिस थाने पहुंचकर शेषनारायण चंद्रवंशी के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 184/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2) एवं 351(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।दूसरी घटना 21 अक्टूबर की मध्यरात्रि लगभग 12:30 बजे की बताई गई है। जानकारी के अनुसार, फरियादी घनश्याम बघेल, पिता संतोष बघेल, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति कुटी के सामने चल रहे नाच-गाने के कार्यक्रम में शामिल थे।

जंगली जानवरों के लिए खेत में बिछाया करंट

आरोपियों के कब्जे से तार और बांस जब्त, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जंगली जानवरों से मक्का की फसल बचाने के लिए खेत में बिछाए गए बिजली के करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मामले में मोहखेड़ पुलिस ने जांच के बाद दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिजली का तार और एक बांस भी जब्त किया है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।



जंगली जानवरों को मारने के लिए बिछाया था तार

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 सितंबर 2026 को सूचना प्राप्त हुई थी कि लोहांगी निवासी प्रदीप पिता गोपाल तिरगाम की बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई है। इस पर मोहखेड़ थाने में मर्ग क्रमांक 99/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि 20 सितंबर को शाम 4 बजे से रात 9 बजे के बीच आरोपियों ने अपने खेत में जंगली जानवरों से मक्का की फसल बचाने के उद्देश्य से जीआई तार बिछाया था। इस तार में बिजली का करंट प्रवाहित किया गया था। पुलिस जांच के मुताबिक, आरोपी अशोक खौशी ने अपने खेत में जीआई तार फैलाया था, जबकि घनश्याम कासेकर ने अपने घर के बिजली कनेक्शन से वायर जोड़कर उसमें करंट प्रवाहित किया। इसी दौरान खेत की मेड़ से गुजर रहे प्रदीप तिरगाम की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई।

महत्वपूर्ण भूमिका

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांडे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के निर्देशन तथा उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) सुनील कुमार बरकड़े के मार्गदर्शन में की गई।

मामला दर्ज कर आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांच में दोनों आरोपियों का कृत्य सामने आने पर 20 अक्टूबर 2026 को थाना मोहखेड़ में अपराध क्रमांक 526/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 3(5) तथा एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वी) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपी घनश्याम कासेकर, पिता स्वर्गीय पंतराम कासेकर (62), निवासी लोहांगी तथा अशोक खौशी, पिता देवराव खौशी (54), निवासी महलपुर, थाना मोहखेड़ को गिरफ्तार किया। घनश्याम के मेमोरेंडम के आधार पर बिजली का वायर जब्त किया गया। पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित बिजली के तार और एक बांस भी जब्त किया है।

अनियंत्रित होकर बस खाई में गिरी बाल बाल बचे यात्री

पन्ना। सतना से पन्ना जा रही अंबे कंपनी की बस अनियंत्रित होकर सकरिया ग्राम के पास अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे खाई में जा गरी जिसमें सवार यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं किसी प्रकार की बड़ी घटना घटित नहीं हुई लेकिन बस खाई में गिरते ही अफरा तफरी मच गई स्थानीय लोगों ने पहुंच कर सवारियों को निकलने में मदद की सतना जा रहे कांग्रेस नेता जितेंद्र जाटव ने भी यात्रियों को ऊपर से बाहर निकाला तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा कर देवेंद्रनगर थाना पुलिस को सूचना दी गई पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

मूंगफली तोड़ने आ रहे मजदूरों की पिकअप पलटी, 37 घायल; 16 की हालत गंभीर

छतरपुर। कटनी जिले के वादा इम्लाज गांव से छतरपुर मुंगफली की फसल निकालने आ रहे मजदूरों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में गाड़ी में सवार लगभग 37 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 16 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। हादसा देर रात लगभग 3 बजे जुझारनगर के पास हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटनी जिले से सभी 37 मजदूर पिकअप वाहन में सवार होकर मजदूरी के लिए छतरपुर आ रहे थे। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक अत्यधिक शराब के नशे में था, जिसके कारण वाहन पर से उसका नियंत्रण खो गया और पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में शिवा कुमार आदिवासी पिता अनुज कुमार, 14 वर्ष, राधा आदिवासी पति कन्हैया, 20 वर्ष, गयाबाई आदिवासी, सीता बाई, अमिया बाई, संजना, संगीता, पान बाई, नंदनी, लल्ले बाई, राजा आदिवासी, रतनलाल, शिवनंदन, सुरेश, गेंदा और कन्हैया शामिल हैं। वहीं बताया जा रहा है कि शिवा कुमार आदिवासी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।



दबंगों ने बुजुर्ग दंपत्ति समेत परिजनों को लाठी-रॉड से पीटा, घर पर किया पथराव



छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरैया गांव में मंदिर के बाहर चल रहे भजन-कीर्तन के दौरान गाने-बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों ने लाठी, डंडों और लोहे की रॉड से हमला करने के साथ-साथ पीड़ितों के घर पर पथराव भी किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरैया निवासी 75 वर्षीय खज्जु अहिरवार पिता हरलाल अहिरवार गांव में शंकर जी के मंदिर के बाहर चल रहे भजन-कीर्तन में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने भजन सही ढंग से गाने-बजाने की बात कह दी। इसी बात से नाराज होकर गांव के ही अम्बु अहिरवार, बाबूलाल अहिरवार, राहुल अहिरवार, दिलीप अहिरवार सहित करीब 15 लोगों ने उनके साथ बहस शुरू कर दी और मारपीट पर उतारू हो गए। विवाद इतने पर ही नहीं थमा। बीते रोज शाम के समय आरोपी एकजुट होकर खज्जु अहिरवार के घर पहुंचे और पथराव शुरू कर दिया। जब परिजनों ने बचाव करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। इस हिंसक हमले में 75 वर्षीय खज्जु अहिरवार, उनकी 70 वर्षीय पत्नी रामकुंवर अहिरवार, 45 वर्षीय रामलाल अहिरवार (पिता हरलाल अहिरवार) तथा 40 वर्षीय दशरथ अहिरवार (पिता खज्जु अहिरवार) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित पक्ष ने सिविल लाइन थाना पुलिस से मामले की शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

निधन



जबलपुर। सात्विक (आढी) साहू 20 वर्षीय पिता बसंत कुमार साहू (रेल्वे डी.आर.एम. ऑफिस में कार्यरत) प्रीत बिहार कॉलोनी, आदर्शनगर, ग्वारीघाट रोड निवासी का दुखद निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरूवार 22 अक्टूबर को ग्वारीघाट मुक्तिधाम में सम्पन्न हुआ।

दोस्त की साजिश में फंसा बेटा, अपने ही घर में कर दी एक करोड़ के जेवरात की चोरी

सराफा बाजार में गला दिया गया सोना, पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

रीवा। लग्जरी लाइफ जीने की चाहत में जब इंसान अपने ही रिश्तों का लिहाज भूल जाए तो घर की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा मोहल्ले में ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बेटे ने अपने ही घर के लॉकर में रखे करीब एक करोड़ रुपए से अधिक कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। आरोप है कि इस वारदात में उसका पड़ोसी दोस्त भी शामिल था। चोरी के जेवर दोस्त को सौंप दिए गए, जिनमें से सोने के गहने सराफा बाजार में गलाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मामले में बेटे सुजीत गुप्ता और उसके दोस्त शरद सोनी को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायालय में पेश किए जाने के बाद जेल भेज दिया गया है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस बेटे पर परिवार को भरोसा था, उसी पर घर के जेवरात चोरी करने का आरोप है। पुलिस की पूछताछ में बेटे ने कथित तौर पर चोरी के गहने अपने दोस्त को देने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने करीब ढाई किलो चांदी बरामद की है, जबकि सोने के जेवरात गलाए जाने के कारण उनकी बरामदगी चुनौती बन गई है।



जन्मदिन की पार्टी में जाने के लिए खोला लॉकर, गायब मिले सारे गहने

घटना का खुलासा तब हुआ, जब पीड़िता मंजू गुप्ता 14 अक्टूबर को एक जन्मदिन की पार्टी में जाने की तैयारी कर रही थीं। इसके लिए उन्होंने घर में रखा लॉकर खोला तो उसमें रखे कीमती जेवरात गायब मिले। लॉकर से गहने गायब देखकर उनके होश उड़ गए। घर में रखे सोने-चांदी के आभूषणों का पता लगाने की कोशिश की गई, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पीड़िता के अनुसार, लॉकर में सोने के हार, मंगलसूत्र, अंगूठियां, करधन, पाजेब और सोने की मोहर सहित कई कीमती आभूषण रखे हुए थे। इनकी कुल बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। इतनी बड़ी मात्रा में जेवरात गायब होने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने संदेह के आधार पर जांच आगे बढ़ाई तो मामले में परिवार के ही सदस्य सुजीत गुप्ता का नाम सामने आया। पूछताछ के दौरान सुजीत ने कथित तौर पर बताया कि उसने घर से चोरी किए गए जेवरात अपने पड़ोसी दोस्त शरद सोनी को दे दिए थे।इस जानकारी के बाद पुलिस ने शरद सोनी की भूमिका की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, चोरी के जेवरात को ठिकाने लगाने में उसकी भूमिका सामने आई है। मामले की जांच के दौरान यह भी पता चला कि सोने के आभूषणों को गलाकर उनका मूल स्वरूप बदल दिया गया, जिससे उनकी पहचान और बरामदगी मुश्किल हो गई।

न्यूक्लियर पावर प्लांट के खिलाफ जल सत्याग्रह के दौरान महिला आंदोलनकारी की मौत

रीवा। जिले के रोझौही न्यूक्लियर पावर प्लांट के विरोध में पिछले 6 दिनों से जारी जल सत्याग्रह के दौरान एक बड़ा हादसा सामने आया है। सरई कला पंचायत में सत्याग्रह पर बैठी महिला आंदोलनकारी विमला कोल की 22 अक्टूबर 2026 की सुबह तड़के ठंड की वजह से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पावर प्लांट के विरोध में कई ग्रामीणों के साथ विमला कोल भी लगातार जल सत्याग्रह में हिस्सा ले रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।





मृतिका के पति जमुना कोल से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि विमला की मौत जल सत्याग्रह और लगातार जारी आंदोलन के कठिन हालात के कारण हुई है। परिजनों और ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन के रवैये पर कड़ा रोष जताया है। परिजनों का आरोप है कि इतने दिनों से चल रहे प्रदर्शन और इस दुखद घटना के बावजूद शासन या प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी खबर लेने तक नहीं पहुंचा। उन्होंने प्रशासनिक उपेक्षा और जन-मानस की आवाज को अनसुना करने का गंभीर आरोप लगाया है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि सत्याग्रह रुकेगा नहीं और आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। इस प्रदर्शन में भारी संख्या में आमजन के साथ आम आदमी पार्टी के नेता प्रमोद शर्मा तथा समाजसेवी विष्णुकांत कुशवाहा एवं दुलहरा ग्राम से समाजसेविका नीलू दहिया एवं अन्य सिविल सोसायटी के लोग भी शामिल हो चुके हैं। आंदोलन का दायरा अब बढ़ता जा रहा है। 22 अक्टूबर 2026 से नजदीकी ग्राम पंचायत क्योटी में क्योटी-कलवारी मुख्य मार्ग के समीप ग्रामीणों ने नया पंडाल सजा लिया है। सत्याग्रहियों ने हुंकार भरते हुए कहा है कि यह आंदोलन अब अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा है कि जब तक शासन प्रशासन न्यूक्लियर पावर प्लांट को वापस लेने का निर्णय नहीं लेता तब तक आंदोलन नहीं रुकेगा।



प्रताप का टीजर जारी, इस बार शिकारी खुद हुआ शिकार

मुंबई। फिल्म 'प्रताप' का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। फिल्म में अभिनेता अमित साध मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के टीजर में एक पुलिसवाला और उसके पीछे चलती साजिश को दिखाया गया है। यह पुलिस ऑफिसर एक ब्लास्ट केस में फंसा हुआ है। इस केस की वजह से उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाता है। मगर वह हार नहीं मानता। जेल में रहते हुए भी वह खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए कानून का सहारा लेता है।फिल्म प्रताप का लेखन और निर्देशन सचिन सारफ कर रहे हैं वहीं, फिल्म का निर्माण प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स कर रहे हैं।

लाइफ Style



ईशा

कलाकार को वक्त के साथ बदलना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईशा कोप्पिकर ने अपने फिल्मी कॅरियर के बारे में बात की है। उन्होंने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में अपने अब तक के सफर और बदलते समय के साथ खुद को ढालने की अहमियत पर बात की।

तेलुगु और तमिल सिनेमा में अपने शुरुआती काम से लेकर 'कंपनी' और 'एक विवाह ऐसा भी' जैसी बॉलीवुड फिल्मों तक, ईशा कोप्पिकर ने इस बात पर जोर दिया कि इंडस्ट्री में लंबा कॅरियर बनाए रखने के लिए एक एक्ट्रेस के तौर पर लगातार एक्टिव रहना बहुत जरूरी है। इस बीच एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने बताया कि उन्हें 'दिल चाहता है' रिजेक्ट करने का पछतावा है। ईशा कोप्पिकर ने बताया कि उम्र के साथ कलाकारों को खुद में बदलाव क्यों लाना चाहिए। एक बातचीत में अपने सफर को याद करते हुए, ईशा ने एक कलाकार के तौर पर चर्चा में बने रहने के बारे में अपने विचार शेयर किए, 'एक कलाकार के रूप में आप जो सबसे अच्छा काम कर सकते हैं। वह है उम्र के साथ खुद को ढालना और आगे बढ़ना। कलाकार के तौर पर हमें अक्सर लगता है कि हमारी उम्र कभी नहीं बढ़ती, लेकिन हमें बदलाव को अपनाना चाहिए और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने चाहिए। एक ही तरह के काम से होने वाली नीरसता को तोड़ना जरूरी है, क्योंकि लोग आपको बार-बार एक ही रोल में देखकर ऊब जाते हैं। मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी, क्योंकि इससे पहले मैंने बहुत ही साधारण और सीधी-सादी लड़कियों के रोल किए थे।

हॉलीवुड मसाला



इयून पार्ट-3 की रिलीज डेट

में बदलाव

नई दिल्ली। मार्वल स्टूडियोज की अपकमिंग फिल्म एवेंजर्सः डूम्सडे को चीन में भी रिलीज किया जाएगा, जिसकी वजह से इयून-3 की रिलीज डेट बदली गई है। 18 दिसंबर को एवेंजर्सः डूम्सडे को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। लेकिन, चीन में ये फिल्म रिलीज से दो दिन पहले बड़े पर्दे पर प्रदर्शित की जाएगी। 16 दिसंबर को मार्वल की एवेंजर्सः डूम्सडे को चीन में आईनॉक्स सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। अब निर्देशक डेनिस विलेन्यूव की इयून 3 को करीब दो हफ्ते बाद 31 दिसंबर को चीन में प्रदर्शित किया जाएगा।



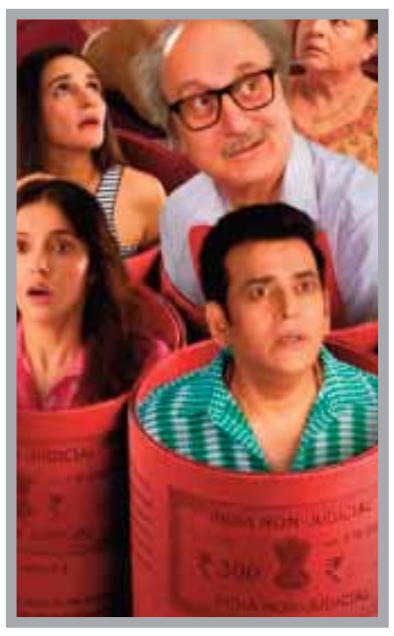
अब डॉक्टर डूम बनकर लौट रहे 'आयरन मैन'

नई दिल्ली। हॉलीवुड मूवी अवेंजर्स डूम्सडे को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज है। इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियतों में से एक हैं हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर, जिन्होंने कभी आयरन मैन बनकर दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता था। अब वही अभिनेता मार्वल की दुनिया में डॉक्टर डूम बनकर आ रहे हैं। सुपरहीरो से सुपरविलेन बनने का उनका यही सफर फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी बनी हुई है। तभी तो 4600 करोड़ के प्रोडक्शन बजट और 23 से ज्यादा सुपरहीरो वाली फिल्म ने रिलीज से पहले ही 100 मिलियन डॉलर कमा लिए हैं। बता दें कि हॉलीवुड स्टार आरडीजे की उम्र 61 साल है। रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने 2008 में रिलीज हुई फिल्म आयरन मैन से मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी।



'418' चार भाषाओं में होगी रिलीज...

मुंबई। फिल्म केजीएफ और सालार के निर्देशक प्रशांत नील तेलुगु हॉरर थ्रिलर '418' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 23 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म चार भाषाओं में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर और स्पेशल स्क्रीनिंग को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कीर्तन नादगौड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म दिलचस्प है, क्योंकि यह अपने ओरिजिनल रिलीज प्लान से आगे बढ़ गई है। इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट करने वाली मैथरी मूवी मेकर्स ने शुरू में इसे तेलुगु में रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि फिल्म को मिले अच्छे रिस्पॉन्स के बाद मेकर्स अब इसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल और हिंदी में रिलीज करने वाले हैं। यह फिल्म एक बिल्डिंग के रूम नंबर 418 के राज के इर्द-गिर्द घूमती है।



खोसला का घोसला-2 की रिलीज डेट बदली

नई दिल्ली। फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की रिलीज डेट बदल दी गई है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर शेयर करते हुए इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान किया है। उन्होंने पोस्ट के साथ लिखा, 'सौदा पक्का! खोसला परिवार सिनेमाघरों पर कब्जा करने के लिए तैयार है। 'खोसला का घोसला 2' 5 मार्च 2027 को बड़े पर्दे पर आ रही है।' 'खोसला का घोसला 2' में पहली फिल्म के कई कलाकार एक बार फिर नजर आएंगे। इनमें अनुपम खेर, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डबास शामिल हैं। वहीं, साल 2006 में आई पहली फिल्म का हिस्सा रहीं तारा शर्मा भी इस सीक्वल में नजर आएंगी। जबकि नए कलाकारों में फिल्म से रवि किशन और दिव्य खोसला भी जुड़े हैं। 'खोसला का घोसला' साल 2006 में रिलीज हुई थी।

टीवी मसाला



पवन की एंट्री से मची धूम रूलर्स के बीच छिड़ी जंग

नई दिल्ली। राइज एंड फॉल' सीजन 2 में काजल और सारा के डबल एविक्शन के बाद शो में मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। गौतम गुलाटी और प्रियंका चाहर चौधरी ने फिलहाल एक-दूसरे से दुश्मनी भुलाकर साथ आने का फैसला किया है। शो के पेंटहाउस में इरीना रुडाकोवा और निहारिका तिवारी के बीच जसवंत बोपन्ना को लेकर चर्चा हुई। घर में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि जसवंत की निहारिका में रोमांटिक दिलचस्पी है। हालांकि, निहारिका ने इस बात को खारिज कर दिया। घर के दूसरे सदस्यों के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा होती रही। शो में मनोरंजन का तड़का लगाने के लिए भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह टावर पहुंचे। इस खास कार्यक्रम को स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला ने होस्ट किया। इस दौरान पवन सिंह ने शो में अपने पिछले अनुभव को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'मेरा मूड बदलते रहता था। शुरुआती दिनों में पहले दिन लगा कि मेरी सांस रुक जाएगी। मुझे खुले में रहने की आदत है, लेकिन धीरे-धीरे सब ठीक हो गया।' इस कार्यक्रम में निहारिका और जसवंत ने परफॉर्म किया। वहीं, इरीना ने पवन सिंह के साथ डांस किया। करण पटेल और ऋषम ने रूलर्स और वर्कर्स की नकल उतारकर सभी को खूब हंसाया। मनोरंजन से भरी शाम के बाद शो में खेल फिर शुरू हुआ। इस बार पेंटहाउस में रहने वाले दो रूलर्स को बेसमेंट में भेजने के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया हुई। नियम के मुताबिक, कंटेस्टेंट्स को विरोधी तिकड़ी के सदस्यों के नाम पर वोट देना था।

गौरव के हाथ लगा एकता का नया शो

नई दिल्ली। गौरव खन्ना अब एकता कपूर के अपकमिंग शो में नजर आएंगे और उनके साथ श्रद्धा आर्या लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों ही शो का टीजर जारी किया था और अब दोनों ने सेट पर साथ पूजा की है।



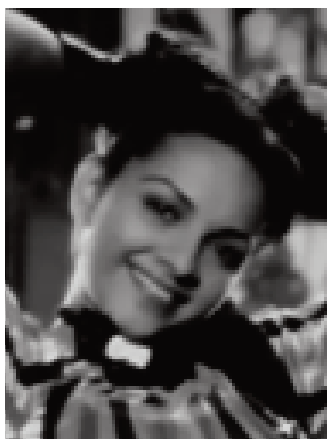
हालांकि, अब तक शो के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। हाल ही में शो का टीजर जारी किया गया था और अब श्रद्धा आर्या और गौरव खन्ना ने सेट पर मूहूर्त पूजा के साथ अपने नए शो का आगाज किया है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। सोशल मीडिया पर श्रद्धा आर्या और गौरव खन्ना की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें दोनों को अपने नए शो के सेट पर पूजा करते देखा जा सकता है। दोनों ने सेट पर दुर्गा पूजा की रस्में निभाईं और भक्ति में लीन नजर आए। इन तस्वीरों और वीडियो में दोनों सफेद रंग के ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे हैं।

सिनेमा की पहली 'आइटम गर्ल' ने किया था कैबरे डांस, 77 साल पहले आई फिल्म का है ये गीत

नई दिल्ली। आजकल शादी, पार्टी और गेट-टूगेदर्स में जब डांस सॉन्ग्स की बात आती है तो ज्यादातर आइटम सॉन्ग्स पर ही लोग झूम-झूमकर नाचते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं भारत की पहली आइटम गर्ल कौन थी और उन्होंने 77 साल पहले एक ऐसे गाने पर कैबरे डांस किया था जिस पर उस दौर पर में पार्टी में लोग खूब नाचते थे। सिनेमा की पहली 'आइटम गर्ल' कुकू मोरे ने 77 साल पहले रिलीज हुई फिल्म बरसात के गाने पतली कमर है, तिरछी नजर है में कैबरे डांस किया था। इसमें मोरे ने प्रेमनाथ के साथ शानदार डांस किया था। इस आइकॉनिक ट्रैक को शंकर-जयकिशन की जोड़ी ने कंपोज किया था, वहीं स्वर कोकिला लता मंगेशकर और मुकेश की जोड़ी ने इसे अपनी शानदार आवाज से सजाया था।

हेलेन की मेंटर थीं कुकू

1940 के दशक के बॉलीवुड में डांसिंग की क्वीन मानी जाने वालीं कुकू मोरे एक ऐसी कलाकार थीं, जिन्होंने हेलेन के स्टार बनने से पहले उन्हें गाइड करने में मदद की थी। इतना ही नहीं, उन्हें सिनेमा की पहली आइटम गर्ल भी माना जाता है। कुकू मोरे बॉलीवुड की पहली कैबरे/वैम्प डांस बनीं और उन्हें हिंदी सिनेमा में डांस नंबर कल्चर की शुरुआत करने वाली कलाकार माना जाता है। उनके जबरदस्त डांस मूव्स और लचीलेपन की वजह से उन्हें 'रबर गर्ल' कहा जाता था और वे अपने डांस के लिए अच्छी खासी फीस भी लेती थी।



बरसात के बारे में

'बरसात' 1949 में रिलीज हुई थी जिसे राज कपूर ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में कपूर और नरगिस की मशहूर जोड़ी के साथ प्रेम नाथ भी थे और इसी फिल्म से एक्ट्रेस निम्मी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।'बरसात' कपूर के डायरेक्ट की गई शुरुआती बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। इस कामयाबी की वजह से कपूर 1950 में आरके स्टूडियो खरीद पाए।

शबाना के बेबाक बोल- न नमाज पढ़ती हूं, न धर्म से कोई वास्ता

मुंबई। हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी बेबाक राय और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बोलने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने धर्म, आस्था और पारिवारिक परवरिश को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसकी चर्चा हो रही है। शबाना ने बताया कि वह मुस्लिम हैं और उन्हें ईद मनाना, उर्दू भाषा और पारंपरिक खानपान पसंद है, लेकिन वह नमाज नहीं पढ़तीं और न ही धर्म से उनका कोई औपचारिक जुड़ाव है। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके लिए आस्था पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इसमें राज्य या सरकार का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने अपने पति और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर के नास्तिक विचारों का भी जिक्र किया। शबाना आजमी ने एक बातचीत के कार्यक्रम में अपने परिवार और धार्मिक विचारों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पिता कैफी आजमी नास्तिक थे, जबकि उनकी मां धर्म का पालन तो करती थीं, लेकिन बहुत गंभीरता से नहीं।



अभिनेत्री ने कहा कि उनकी भाषा में 'माशाअल्लाह' और 'इंशाअल्लाह' जैसे शब्द सहज रूप से शामिल हैं। हालांकि उनके पति जावेद अख्तर कभी-कभी इस पर सवाल उठाते हैं। शबाना के अनुसार जावेद उनसे पूछते हैं कि अगर कोई व्यक्ति बार-बार 'प्रभु जी की मर्जी' कहे तो उन्हें कैसा लगेगा। इस पर अभिनेत्री का मानना है कि कुछ शब्द हमारी भाषा और सांस्कृतिक परिवेश का हिस्सा बन जाते हैं। उनका इस्तेमाल हमेशा धार्मिक विश्वास का संकेत नहीं होता। अपने धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के बारे में शबाना आजमी ने स्पष्ट किया कि वह मुस्लिम हैं और अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी चीजों को पसंद करती हैं। उन्हें ईद का त्योहार, उर्दू भाषा और पारंपरिक खाना अच्छा लगता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार में नमाज पढ़ने की परंपरा नहीं है और धर्म के साथ उनका कोई औपचारिक संबंध नहीं है।

हॉरर-थ्रिलर से लेकर सस्पेंस-कॉमेडी का मिलेगा मजा

आज सिनेमाघरों में अलग-अलग जॉनर की सात फिल्में होंगी रिलीज

नई दिल्ली। आज सिनेमाघरों में अलग-अलग जॉनर की सात बॉलीवुड फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। इस हफ्ते दर्शकों को क्रिकेट के रोमांच से लेकर पारिवारिक रिश्तों, प्यार, एक्शन, कॉमेडी और खौफनाक रहस्यों तक का अनुभव मिलेगा। अगर आप वीकेंड पर थिएटर में फिल्म देखने की योजना बना रहे हैं, तो इन फिल्मों की कहानी और जॉनर के बारे में जान सकते हैं।

दूसरा *: स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'दूसरा' की कहानी भारतीय क्रिकेट के एक यादगार दौर से प्रेरित है। फिल्म में साल 2002 की नेटवेस्ट सीरीज में भारत की ऐतिहासिक जीत की पृष्ठभूमि दिखाई गई है। लॉर्ड्स के मैदान पर मिली इस जीत ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास जगह बनाई थी। फिल्म इसी ऐतिहासिक घटना के साथ एक युवा लड़की की कहानी को जोड़ती है। क्रिकेट के जुनून, उस दौर के माहौल और भारतीय क्रिकेट में आए बदलावों को पेश करने वाली यह फिल्म खेल पर आधारित कहानियां पसंद करने वाले दर्शकों के लिए दिलचस्प हो सकती है।*

लिटिल थॉमस *: लिटिल थॉमस एक फैमिली ड्रामा है, जिसकी कहानी 1990 के दशक के गोवा में स्थापित है। फिल्म का मुख्य किरदार सात साल का थॉमस है, जो अपने परिवार में एक छोटे भाई की चाहत रखता है। उसकी इस मासूम इच्छा के बाद परिवार में क्या बदलाव आते हैं और रिश्तों पर इसका क्या असर पड़ता है, कहानी इसी के इर्द-गिर्द आगे बढ़ती है। बच्चों की भावनाओं और पारिवारिक रिश्तों को केंद्र में रखने वाली यह फिल्म हल्की-फुल्की और भावनात्मक कहानी देखने वालों को आकर्षित कर सकती है।*



उड़ता तीर: अगर आप इस वीकेंड कुछ हल्का-फुल्का और मनोरंजक देखना चाहते हैं, तो 'उड़ता तीर' एक विकल्प हो सकती है। स्पाई कॉमेडी और फैमिली एंटरटेनर के तौर पर पेश की जा रही इस फिल्म में एक ऐसे जासूस की कहानी है, जिसकी गलतियां उसे बड़ी मुसीबत में डाल देती हैं। उसके कारण जासूसी की दुनिया में घटनाओं का ऐसा सिलसिला शुरू होता है, जो कई मजेदार परिस्थितियां पैदा करता है। फिल्म में जासूसी के रोमांच के साथ हास्य का मेल देखने को मिलेगा। परिवार के साथ मनोरंजन की तलाश कर रहे दर्शकों की इसमें दिलचस्पी हो सकती है।



तू है मेरी किरण : सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की फिल्म 'तू है मेरी किरण' रोमांस और सस्पेंस का मेल है। फिल्म में दोनों कलाकारों के किरदारों के बीच प्रेम कहानी दिखाई गई है, लेकिन उनका रिश्ता उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित मोड़ों से गुजरता है। कहानी में प्यार के साथ रहस्य का पहलू भी जुड़ा है, जो दर्शकों की उत्सुकता बनाए रखने की कोशिश करेगा। रोमांटिक कहानियों में सस्पेंस और रिश्तों की जटिलताएं पसंद करने वाले दर्शक इस फिल्म को अपनी वीकेंड वॉचलिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

तुम मेरे हो *: 'तुम मेरे हो' में प्रेम कहानी को एक्शन और एडवेंचर के साथ पेश किया गया है। फिल्म की कहानी दो प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें अपने रिश्ते को बनाए रखने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों के बीच उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और यह सवाल सामने आता है कि मुश्किल हालात में उनका प्यार कितना मजबूत साबित होगा। रोमांस के साथ तेज रफ्तार घटनाएं और एक्शन पसंद करने वाले दर्शकों के लिए यह फिल्म एक विकल्प हो सकती है।*

पहला प्यार दूसरी बार *: रोमांटिक कॉमेडी 'पहला प्यार दूसरी बार' की कहानी पुराने प्यार के दोबारा जिंदगी में लौटने के विचार पर आधारित है। किसी पुराने रिश्ते की वापसी के बाद जिंदगी पहले जैसी नहीं रहती और नए सवाल खड़े होने लगते हैं। प्यार, दोस्ती और आपसी रिश्तों के बीच पैदा होने वाली उलझनों को फिल्म में रोमांस और कॉमेडी के अंदाज में दिखाया गया है। पहले प्यार से जुड़ी भावनाओं और रिश्तों में आने वाले बदलावों पर आधारित कहानियां पसंद करने वालों को यह फिल्म पसंद आ सकती है।*